

राष्ट्रीय खेल दविस- 2024 और RESET कार्यक्रम

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में विभिन्न आयोजनों और गतिविधियों के माध्यम से भारत में खेल और शारीरिक स्वस्थता को बढ़ावा देने के लिये मेजर ध्यानचंद की जयंती पर 29 अगस्त, 2024 को राष्ट्रीय खेल दविस (NSD) 2024 मनाया गया।

- NSD 2024 पर सरकार ने सेवानिवृत्त खिलाड़ी सशक्तीकरण प्रशिक्षण (Retired Sportsperson Empowerment Training- RESET) कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

NSD और RESET कार्यक्रम से संबंधित प्रमुख बटु क्या हैं?

- **परिचय:** यह भारत में खेल के प्रति उत्साह को चहिनति करने वाला एक विशेष अवसर है।
 - इसका उद्देश्य सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों को शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित करना, खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और एथलीटों की उपलब्धियों का सम्मान करना है।
- **राष्ट्रीय खेल दविस का महत्त्व:** राष्ट्र के गौरव और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एथलीटों के योगदान का सम्मान करते हुए यह दविस उनकी उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है।
 - सरकार इस दविस पर विभिन्न खेल योजनाओं का शुभारंभ करती है, जैसे कि वर्ष 2018 में खेलो इंडिया अभियान की शुरुआत की गई थी।
 - भारत के राष्ट्रपति इस दिनि प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार प्रदान करते हैं, जनिमें से एक मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार है।
- **RESET कार्यक्रम:**
 - **उद्देश्य:** सेवानिवृत्त खिलाड़ियों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करके उन्हें अधिक रोजगार योग्य बनाना।
 - **पात्रता:** ऐसे सेवानिवृत्त एथलीट जनिकी आयु 20-50 वर्ष वर्ष के बीच है, जो अंतरराष्ट्रीय पदक विजिता रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं या राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर प्राप्त हैं, RESET कार्यक्रम के तहत आवेदन करने के पात्र हैं।
 - **संरचना:** यह शैक्षिक योग्यता के आधार पर दो स्तरों पर होगी अर्थात् कक्षा 12वीं और उससे ऊपर तथा कक्षा 11वीं और उससे नीचे।
 - **कार्यक्रम को लागू करने वाला अग्रणी संस्थान:** लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (Lakshmbai National Institute of Physical Education- LNIPE), ग्वालियर।

मेजर ध्यानचंद के संबंध में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- मेजर ध्यानचंद भारत के स्वतंत्रता-पूरव के एक प्रमुख हॉकी खिलाड़ी थे।
- अपनी सटिक वर्क और खेल की समझ के कारण वे "हॉकी के जादूगर" और "जादूगर" के नाम से प्रसिद्ध हैं।
- उन्होंने वर्ष 1928, 1932 और 1936 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारत की पहली बार स्वर्ण पदक जीतने की हैदरकि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
- वर्ष 1926 और 1948 के बीच उन्होंने भारत के लिये 185 मैच खेले और 400 से अधिक गोल किये।
- वह वर्ष 1956 में भारतीय सेना की पंजाब रेजिमेंट में मेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए।
 - वह दिनि में अपनी रेजिमेंट संबंधी ड्यूटी पूरी करते थे, इसलिये वह चांदनी रात में अभ्यास करते थे, जिससे उन्हें चंद की उपाधि मिली।
- उन्हें 1956 में तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण मिला।
- वर्ष 2012 में भारत सरकार ने उनकी जयंती को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल दविस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।
- उन्हें सम्मानित करने के लिये भारत सरकार ने 2021 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार कर दिया।

भारत में दिये जाने वाले विभिन्न खेल पुरस्कार कौन-कौन से हैं?

- **मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार:** इसे भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान माना जाता है। यह पुरस्कार चार साल की अवधि में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये दिया जाता है और विजिताओं को एक पदक, प्रमाण पत्र और नकद राशि मिलती है।

उत्तर: (c)

प्रश्न. 32वें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. इस ओलंपिक का आधिकारिक आदर्श वाक्य 'एक नई दुनिया' है।
2. इस ओलंपिक में स्पोर्ट क्लाइंबिंग, सर्फिंग, स्केटबोर्डिंग, कराटे और बेसबॉल खेलों को शामिल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-sports-day-2024-and-reset-programme>

